

प्रेषक,

एम0एच0खान
सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 12 अक्टूबर, 2009

विषय— वित्तीय वर्ष 2009-10 में सैक्टर कार्यक्रम के अन्तर्गत पेयजल योजनाओं की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा निवर्तन पर रखी गयी धनराशि के व्यय की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधीक्षण अभियन्ता राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन के पत्र संख्या 156/स्वैप प्राक्कलन/2008-09 दिनांक 08.08.2008 एवं पत्र संख्या 190/एसडब्लूएसएम डीपीआर/2009-10 दिनांक 11.08.09 तथा तद्विषयक आपके पत्र संख्या 1055/स्वैप प्राक्कलन/ दिनांक 22.08.08 एवं पत्र संख्या 1361/स्वैप(प्राक्कलन) दिनांक 25.09.09 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद नैनीताल के विकासखण्ड हल्द्वानी के अन्तर्गत कमलुवागौजा लांबाचौड (बच्चीनगर) पेयजल योजना अनु0लागत रू0 255.35 लाख, किशनपुर सुन्दरपुर रैक्वाल पे0यो0 अनु0लागत रू0 186.18 लाख तथा जनपद देहरादून की कैची वाला ग्राम समूह पे0यो0 अनु0लागत रू0 300.77 लाख अर्थात् कुल रू0 742.30 लाख (रू0 सात करोड़ बयालीस लाख तीस हजार मात्र) के शासन को प्राप्त कराये गये प्राक्कलनो पर टी.ए.सी. वित्त के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गयी धनराशि कमश रू0 243.98 लाख, रू0 180.80 लाख एवं रू0 280.21 लाख अर्थात् कुल रू0 704.99 लाख (रू0 सात करोड़ चार लाख निन्यानबे हजार मात्र) की योजनाओं पर सचिव, पेयजल की अध्यक्षता में गठित पेयजल योजनाओं की राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा संस्तुत लागत व टी.ए.सी. द्वारा संस्तुत लागत अनुसार कार्यवार औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि के क्रम में कमश: रू0 215.19 लाख (रू0 दो करोड़ पन्द्रह लाख उन्तीस हजार मात्र), रू0 164.67 लाख (रू0 एक करोड़ चौसठ लाख सडसठ हजार मात्र) तथा रू0 249.92 लाख (रू0 दो करोड़ उनचास लाख बयानबे हजार मात्र) मात्र अर्थात् कुल रू0 629.78 लाख (रू0 छः करोड़ उन्तीस लाख अठहत्तर हजार मात्र) के प्राक्कलनो पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु इतनी ही धनराशि शासनादेश संख्या 590/उन्तीस(2)/09-2(37पे0)/08 दिनांक 12.06.09 द्वारा अवमुक्त रू0 15.00 करोड़ में से चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में सैक्टर कार्यक्रम के अन्तर्गत आवश्यकतानुसार निम्नांकित प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरो के आधार पर तथा जो दरें शिडयूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 3- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधित स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है।
- 5- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।
- 6- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 7- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भलीभाँति अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
- 8- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 9- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्हीं कार्यों पर किया जायेगा जिनके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी भी दशा में अन्य योजनाओं पर व्यय नहीं किया जायेगा।
- 10- योजनाओं की स्वीकृत लागत में किसी प्रकार का सेन्टेज देय नहीं होगा।
- 11- व्यय करने से पूर्व जिन मामलो में बजट मैनुअल/ फाईनेन्शियल हैण्डबुक नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों पर प्रशासकीय/ वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टेक्निकल स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 12- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता प्रत्येक दशा में सुनिश्चित की जायेगी एवं कार्यदायी संस्था के रूप में प्रबन्ध निदेशक इस हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 13- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्त नियमावली एवं अन्य तदविषयक नियमों का अनुपालन किया जाय।
- 14- मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.06 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करें।
- 15- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 616/XXVII (2)/2009 दिनांक 07 अक्टूबर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(एम0एच0खान)
सचिव

संख्या-122^१(1)/उन्तीस(2)/09-2(23पे0)/2002,तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून / ~~वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून~~ ।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल/कुमाँयू मण्डल ।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून/नैनीताल ।
- 5- मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून ।
- 6- निजी सचिव, मा0 पेयजल मंजी जी को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ ।
- 7- स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड ।
- 8- वित्त अनुभाग-3/राज्य योजना आयोग/वित्त बजट सैल ।
- 9- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, ई0सी0 रोड, देहरादून ।
- ✓ 10- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून ।
- 11- सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ ।।
- 12- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(अमित सिंह नेगी)

अपर सचिव

२०/०९/०९